आबू रोड-शान्तिवन(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मीडिया प्रभाग द्वारा संस्थान के मुख्यालय में आयोजित राष्ट्रीय मीडिया कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र के दौरान ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. करुणा को ग्लोबल स्पिरिचुअल लीडरशिप अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े व इंटरनेशनल बुक ऑफ ऑनर इंग्लैंड के उपाध्यक्ष डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके। साथ हैं अन्य गणमान्य व्यक्ति।

माउंट आबू-राज.। ब्रह्मा बाबा के समाधि स्थल शान्ति स्तम्भ पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने के पश्चात् समूह चित्र में पंजाब के वित्तमंत्री माननीय हरपाल सिंह चिमा, ब्र.कु. मीरा,सुनाम,पंजाब, ब्र.कु. शशिकांत, पूर्व विधायक ब्र.कु. गंगाराम,तेलंगाना तथा अन्य अतिथिगण।

शिमला-सुन्नी(हि.प्र.)। हिमाचल प्रदेश के सातवें राज्य स्तरीय आध्यात्मिक वार्षिक सम्मेलन में पूर्व सांसद सुरेश चंदेल को मोमेंटो भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी, ग्लोबल हॉस्पिटल के डायरेक्टर राजयोगी ब्र.कु. डॉ. प्रताप मिड्ढा व ब्र.कु. प्रकाश,माउंट आबू। साथ हैं दिलू राम,एसएचओ स्थानीय पुलिस स्टेशन, ब्र.कु. शकुंतला एवं ब्र.कु. रेखा दास।

दिल्ली-बृजपुरी। नवरात्रि के अवसर पर चैतन्य देवियों की झाँकी का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करने के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. कविता, दिल्ली घोंडा क्षेत्र के विधायक अजय महावर, मोरल हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. यूके चौधरी, डॉ. संगीता चौधरी, ब्रह्माकुमारी बहनें तथा अन्य।

हाथरस-आनंदपुरी कॉलोनी(उ.प्र.)। सदर तहसील में आयोजित शान्ति सभा के पश्चात् एसडीएम राजबहादुर को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शान्ता। साथ हैं अन्य ब्रह्माकुमारी बहन।

शाहजहाँपुर-उ.प्र.। नवरात्रि के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र के द्वारा 501 कन्याओं के पूजन कार्यक्रम के उपरान्त समूह चित्र में ब्र.कु. चरिता, ब्र.कु. विनीता, महानगर मण्डल अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, सोनिया राठौर तथा अन्य माताएं-बहनें।

किस्मत- पकड़ने से नहीं, छोड़ने से बनती

-ब्र.कु. प्रभु पसंद

देखो जीवन अपना रहस्य कैसे खोलता है, या जीवन में हमारे रहस्य कैसे खुलते हैं। हम सभी हमेशा एक बात को लेकर बड़े आतुर रहते हैं। और कहते हैं कि सबकुछ हमारी मर्ज़ी से होना चाहिए। लेकिन जैसे ही हम ये सब छोड़ देते हैं ना तो जीवन अपने राज़ खोलता है।

जितना हम किसी चीज़ को पकड़ते है उतना वो हमसे छूटती जाती है। जैसे आपने मुट्ठी बंद किया हवा नहीं रूक सकती। जैसे ही आपने खोल दिया तो पूरी दुनिया उसमें समा जाती है। तो जीवन और हमारी किस्मत दोनों का जो सम्बन्ध है वो एक-दूसरे के साथ निरंतर चलता रहता है। होता क्या है कि कोई भी ध्यान, कोई भी साधना, कोई भी सम्बन्ध का आधार त्याग है। इसीलिए कहा जाता है कि जीवन, कई बार हम सोचते हैं कि छोड़ना मतलब किसी की परवाह नहीं करनी है, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है, बल्कि छोड़ना मतलब परवाह करना, बिना नियंत्रण के, बिना स्वामित्व के, बिना डर के। आपको पता होना चाहिए कि जैसे आजकल दुनिया में बहुत ही चर्चित विषय है कि कोई किसी को प्रेम नहीं करता, कहते भी हैं और सही भी है! लेकिन आपको पता होना चाहिए कि प्रेम हमेशा स्वतंत्रता में ही फैलता है।

अगर किसी चीज़ को आप पकड़ेंगे तो उससे डर पैदा होता है, आपको पता है किसी चीज़ को छोड़ना मतलब भरोसा करना कि यही हमारे लिए सही है। और जैसे ही हम किसी चीज़ को छोड़ते हैं जीवन आपको वही देगा जो ज़रूरी है, जो सही है। इसीलिए योग की परिभाषा यहाँ बदल जाती है, ज्ञान की परिभाषा बदल जाती है कि जब हम अपने पुराने विचार, पुरानी भावनाएं, पुराने कर्म जो कुछ भी हमने किया उसे छोड़ना, उसको भूलना, उसको वहीं पर त्याग देना, यही तो असली ध्यान और योग है।

जो हमने पकड़ा है वही हमारे अन्दर डर और भय पैदा कर रहा है। और जब हम जाग जाते हैं तो हमें पता चलता है कि ये तो अस्थाई है ये तो चला जायेगा। तो जब हम अपनी किस्मत को बदलना चाहते हैं, अपने को और अच्छा बनाना चाहते हैं और ऊपर उठाना चाहते हैं तो हमको वो हर चीज़ जो हमने होल्ड की हुई है, जो हमने अपने अन्दर पकड़ी हुई है, उसको छोड़ना है तो सारे रास्ते खुल जाते हैं। और सबसे ज़्यादा गहरा जो स्वभाव है वो है हमारे अहंकार को गिराना। हमेशा हम जब कोई चीज़ को पकड़ते हैं तो अहंकार जो जन्म देते हैं। जैसे उदाहरण लेते हैं- हमने इच्छा, लालसा, मोह, अहंकार की ऐसी बहुत सारी चीज़ें पकड़ी हुई हैं। जब हम इसको छोड़ेंगे तभी तो हमारे अन्दर प्रेम पैदा होगा। इसीलिए कहा जाता है कि जब हम छोटी-छोटी चीज़ों को छोड़ना शुरू करते हैं, या छोड़ना सीखते हैं, या होल्ड करना छोड़ देते हैं तो आने वाले समय में मृत्यु भी हमारे लिए एक अन्तरतम विषय हो जाती है। उदाहरण के लिए - शरीर छोड़ना भी आपको सहज लगेगा क्योंकि हमने और चीज़ों को छोड़ दिया। आपको पता है इस दुनिया में जो कुछ भी आप इन आँखों से देखते हैं उसे पकड़ने की कोशिश करते हैं। और आपको पता है जो चीज़ हम पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं वो आज नहीं तो कल छूट जाएगा।

जैसे ही हम किसी चीज़ छोड़ते हैं तो जीवन आपको वही देगा जो ज़रूरी है, जो सही है। इसीलिए योग की परिभाषा यहाँ बदल जाती है, ज्ञान की परिभाषा बदल जाती है कि जब हम अपने पुराने विचार, पुरानी भावनाएं, पुराने कर्म जो कुछ भी हमने किया उसे छोड़ना, उसको भूलना, उसको वहीं पर त्याग देना, यही तो असली ध्यान और योग है।

जैसे आपने देखा होगा कि सुबह सूरज कुछ और होता है, धीरे-धीरे दोपहर को कुछ और होता है, शाम को कुछ और होता है, बदल जाता है ना! ऐसे जीवन में जो कुछ भी हम इन आँखों से देख रहे हैं वो बदल जा रहा है। लेकिन उसको होल्ड करना, उसको पकड़ना, अपनी अवस्था को गिराना है। इसलिए जीवन को जीतने का तरीका है- हार मानना। हार मानने का मतलब जो भी है उसको छोड़ दें। पकड़ हमारे भविष्य से या हमारे अतीत से जुड़ी होती है। ध्यान से इस बात को समझना है, कोई भी पकड़, कोई भी चीज़ या तो भविष्य से जुड़ी होती है, या अतीत से जुड़ी होती है। और वही चीज़ हमको तंग करती है। अगर जीवन को जीतना है, किस्मत को बदलना है तो कर्म को अकर्म बनाना है।

दिल्ली-न्यू राजेन्द्र नगर। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राजेन्द्र नगर थाने में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. विजय दीदी, ब्र.कु. कपिल, एसएचओ राजेन्द्र, पूर्व एसीपी राजा राम तथा अन्य।

बहल-हरियाणा। दैनिक जागरण समाचार पत्र के पूर्व प्रधान सम्पादक स्वर्गीय नरेन्द्र मोहन गुप्त के 91वें जन्म जयंती प्रेरणा दिवस के अवसर पर राजयोगिनी ब्र.कु. शकुंतला व ब्र.कु. पूनम को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करने के पश्चात् मोमेंटो भेंट करते हुए अंतर्राष्ट्रीय योगा ट्रेनर एवं अधिवक्ता कविता आर्य। साथ हैं दैनिक जागरण हिसार यूनिट के वरिष्ठ समाचार सम्पादक राकेश क्रांति, बहल मार्केट कमेटी के चेयरमैन पंडित रवि महमिया बहलवाला, सरपंच साधुराम पनिहार, डॉ. एन.पी. गौड़ तथा अन्य।

सूरतगढ़-राज.। सूरतगढ़ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा पैड चालान कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. रानी दीदी। मंचासीन हैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रवक्ता।

समड़ा-उ.प्र.। सीईओ आलोक कुमार गुप्ता से ज्ञान चर्चा करने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. जागृति। साथ हैं ब्र.कु. शिखा।

सीतामढ़ी-रुन्नीसैदपुर(बिहार)। नवरात्रि के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजित चैतन्य देवियों की झांकी का शुभारम्भ करने के पश्चात् एडीएम संजीव कुमार को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए चित्र में ब्र.कु. वंदना,सीतामढ़ी, रुन्नीसैदपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. महिमा। मौके पर उपस्थित रहे सदर डीसीएलआर,रुन्नीसैदपुर के सीओ,बीडीओ, डॉ. रेणु चटर्जी तथा अन्य।

पटना-बाढ़(बिहार)। नवरात्रि के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजित तीन दिवसीय चैतन्य देवियों की झाँकी का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करने के पश्चात् सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. ज्योति। साथ हैं एसडीएम चंदन कुमार तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति।